■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 1 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 22-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 संवेदनशील मामलों की हो त्वरित जांच : भजनलाल शर्मा

6 तिरंगे की शान, भारत की पहचान

7 सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा : यामी गौतम

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार 22 जुलाई को हमारे कार्यालय में अवकाश रहेगा। दक्षिण भारत राष्ट्रमत बेंगलूरु संस्करण 22वें और चेन्नई संस्करण 14वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगला अंक 24 जुलाई 2026 को प्रकाशित होगा।

\- व्यवस्थापक

सोना	चांदी
14,854 रु.	232,420 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या-क्या बाँटोगे

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

प्रधानमंत्री आवास के निकट कांग्रेस का धरना

राहुल-प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग की। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें बस में बैठाकर ले जाया गया। बस में बैठाने के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रतिरोध भी किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस धरना में शामिल हुए थे।

कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरना दिया और 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो', 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' तथा 'छात्रों को न्याय दो' जैसे नारे लगाए। धरना शुरू होने के कुछ देर बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। इससे पहले लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हाथों में हथकड़ियां पहनकर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का सांकेतिक विरोध किया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे तथा राहुल गांधी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने छात्रों को न्याय दिलाने के इच्छुक लोगों से धरने में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार को इस मामले में जवाबदेही लेनी चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की अनुमति दे रही है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए। मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में यह बात कही। यह बैठक नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में हजारों छात्रों के चलो संसद' मार्च और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के एक दिन बाद हुई।

मंगलवार को आयोजित इस बैठक का नाम 'मंगल मिलन' रखा गया था। बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि प्रश्नपत्र लीक की खबर सामने आते ही सरकार ने तत्काल कार्रवाई की और 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रीजीजू ने कहा, ''साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए नीट की पुनर्परीक्षा को प्राथमिकता दी गई, उसका सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया और परिणाम भी बिना किसी देरी के घोषित किए गए।'' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं।

रीजीजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक मामले में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि प्रश्नपत्र लीक मामले के दोषियों को देश के शीर्ष विधि विशेषज्ञों की सहायता से यथासंभव कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए, ताकि ऐसे गंभीर अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ नजीर पेश करने वाली कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 10 लोगों की मौत

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 10 मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

नामची के जिलाधिकारी ने कहा कि पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि खोज एवं बचाव अभियान जारी है। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि झोलुंगे के समरडुंग में एनएचपीसी (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) तीस्ता चरण-छह जल विद्युत परियोजना के तहत निर्माणाधीन सुरंग भूस्खलन के कारण ढह गई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को एडीआईटी-तीन सुरंग अचानक ढह गई और घटना के वक्त परियोजना अधिकारी और श्रमिकों समेत कुल 25 लोग सुरंग के अंदर फंसे हुए थे। तमांग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे फोन पर बात की और बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली। नामची पुलिस ने एक बयान में कहा, मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे तक 10 शव बरामद किए गए।

धर्म लाभ

बेंगलूरु में आयोजित महामंगलकारी संक्रांति समारोह व मंगलमय चातुर्मास प्रवेश के ऐतिहासिक, सफल व सुव्यवस्थित आयोजन हेतु गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति, बेंगलूरु विशेषकर आगेवान श्री कुमारपालजी सिसोदिया का हार्दिक अनुमोदन, धन्यवाद व शुभकामनाएं

17 जुलाई को बेंगलूरु में आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के मुखारविंद से महामंगलकारी दिव्यतम संक्रांति समारोह व 19 जुलाई को आचार्यश्री का मंगलमय चातुर्मास प्रवेश बहुत ही भव्यता, सहजता व श्रद्धा के साथ पूरी व्यवस्था व अनुशासन के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें देश भर के करीब 30 से ज्यादा संघ संस्थाओं के हम सैंकड़ों पदाधिकारी भी शामिल हुए, इन कार्यक्रमों में शामिल होकर हमारा मन बहुत हर्षोल्लास से भर गया।

दोनों कार्यक्रम की सुव्यवस्था, समयबद्धता, कार्यक्रम संयोजन, निवास व्यवस्था, खानपान व्यवस्था, मंच संचालन व संयोजन, शोभायात्रा व्यवस्था अपने आप में उच्चकोटि की थी। इस सभी व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए श्रीमान् कुमारपालजी ने जो श्रम लगाया वह काबिले तारीफ है। उम्र के इस पड़ाव में श्री कुमारपालजी सिसोदिया का जोश, संघ के प्रति समर्पण, संत वैयावच्च, मेहमानबाजी, परिवहन व्यवस्था, प्रवचन कार्यक्रम, साधर्मिक उत्कर्ष योजना की घोषणा, समय से किसी भी कार्यक्रम को सम्पादित करना, लोगों की सुविधाओं के लिए हमेशा तत्पर रहना, संतों की आज्ञा व जिनआज्ञा का पालन करते हुए किसी भी कार्यक्रम को उच्चाइयों तक ले जाना उनके व्यक्तित्व की पहचान है। कुमारपालजी के जोश, होश व कार्यक्रम को सफल व समयबद्ध पूरा करने की ललक को हम सभी सलाम करते हैं और जिन परमात्मा के प्रार्थना करते है कि इस जैन समाज में कुमारपालजी सिसोदिया जैसे और भी समाजरत्न कार्यकर्ता होना चाहिए, तभी हम जैन समाज की जलोजल्लाहाली कर सकते है।

कुमारपाल सिसोदियाजी के कर्मठ व्यवहार, लगनशीलता, गुरुनिष्ठा सहित गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के सभी सदस्यों को हम सभी की ओर से हार्दिक अनुमोदना व शुभकामनाएं।

शुभ आशीर्वाद

कुमारपाल सिसोदियाजी

शुभकामनाओं एवं आपकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता सहित बाहर गांव से आए 30 से अधिक संघ व संस्थाओं के सदस्य व गुरुभक्त

- राजकुमार ओस्तवाल – अध्यक्ष, अखिल भारतीय श्री आत्म-वल्लभ जैन महासंघ
- नरेन्द्र बंब – अध्यक्ष, आत्मानंद जैन महासभा, उत्तर भारत
- प्रवीण कुमार जैन – अध्यक्ष, शाहदरा श्री संघ, नई दिल्ली
- राजेन्द्र जैन – अध्यक्ष, रायकोट जैन संघ, पंजाब
- सुनील जैन – अध्यक्ष, माता चक्रेश्वरी देवी जैन तीर्थ, सरहिंद, पंजाब
- अरुण ओस्तवाल – अध्यक्ष, श्री किल्पॉक जैन संघ, चेन्नई
- मनीष परमार – बिल्डर-केएलपी, अभिनंदन अपार्टमेन्ट, चेन्नई
- कोमल जैन – अध्यक्ष, जवाहरनगर जैन संघ, जालंधर, पंजाब
- मुकेश जैन (आर्मी)– अध्यक्ष, श्री आत्मानंद जैन महासमिति, लुधियाना, पंजाब
- नरेश एनके – उपाध्यक्ष, रूप नगर जैन संघ, दिल्ली
- शुभकांत जैन – महामंत्री, श्री हस्तिनापुर जैन तीर्थ
- दीपक जैन – महामंत्री, अयोध्या एवं रतनपुरी तीर्थ ट्रस्ट
- विनोद दुग्गड – कोलकाता • देवेन्द्र कोचर – कोलकाता
- सुशील ललवानी – नागौर/चेन्नई • एम.एस. जैन – चेन्नई
- महेन्द्र मेहता – अध्यक्ष, विजय वल्लभ साधना केन्द्र, जैतपुरा
- गुलशन जैन – कार्यकारी अध्यक्ष, श्री आत्मानंद जैन सभा, लुधियाना, पंजाब
- माणक मेहता – उपाध्यक्ष, विजय वल्लभ साधना केन्द्र, जैतपुरा तीर्थ
- लक्ष्मीचंद बागरेचा – अध्यक्ष, श्री शीतलनाथ जैन तीर्थ, धवा
- अशोक जैन – महामंत्री, श्री आत्मवल्लभ जैन संघ दिल्ली
- नवनीत जैन – महामंत्री, श्री आत्मानंद जैन महासभा – उत्तर भारत
- गिरधारीलाल गुरुप्रसाद – अध्यक्ष, शिरोमणि जैन संघ लुधियाना (उत्तर भारत)
- श्रीमती संतोष जैन परिवार, रामगोपाल शिवकुमार जैन, उनावाला परिवार, होशियारपुर वाले, 151 यात्रियों का संघ सहित
- नरेन्द्र कुमार जैन बब्बू – अध्यक्ष, श्री आत्मानंद जैन महासभा उत्तरी भारत, लुधियाना
- वाई.के. गुप्ता – संस्थापक एवं प्रो कुलपति – शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा
- राजेन्द्र कुमार – अध्यक्ष, शांति दूत भक्त मंडल, लुधियाना से 51 यात्रियों का संघ सहित

पैलेस ग्राउंड पर कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी हुई शुरू

दि इनर स्टोरी ट्रेड फेयर के पहले दिन दिखा ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) की वार्षिक प्रदर्शनी 'दि इनर स्टोरी' ट्रेड शो का पांचवा संस्करण मंगलवार को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में प्रारंभ हुआ। पहले दिन ट्रेड शो में संभावित ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस देखने को मिला। टेक्नो स्पोर्ट्स द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस प्रदर्शनी के पांचवें संस्करण का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शहर के संयुक्त पुलिस आयुक्त कुलदीप कुमार जैन व दक्षिण पश्चिम रेलवे के जोनल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य महेन्द्र सिंघी ने किया।विशेष अतिथि के रूप में टेक्नो स्पोर्ट्स के सहसंस्थापक दिनेश कुमार जैन, जयंतीलाल जैन भी उपस्थित थे। ट्रेड एक्सपो की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। अध्यक्ष महावीर चंद मेहता ने उपस्थित अतिथियों व व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी छोटे उद्यमियों व वितरकों के लिए एक कामन प्लेटफार्म है, जिसके सही उपयोग से ब्रांड को ऊँचाइयों तक ले जाया जा सकता है। किया के मंत्री जी. कृष्णमूर्ति ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए ट्रेड फेयर की रूपरेखा बताई। संस्था के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने कहा कि पिछले चार ट्रेड फेयरों की तुलना में पांचवें ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। यह ट्रेड शो भारत का अपने उद्योग क्षेत्र में सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है, जिसमें मेक इन इंडिया पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। इस प्रदर्शनी में इनरवियर उद्योग के जाने माने अधिकतर ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। सेमलानी ने पहले दिन प्रदर्शनी को मिले अच्छे रेस्पांस को अच्छा संकेत बताते हुए आगे के दो दिनों में और बेहतर प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई।

संयुक्त पुलिस आयुक्त कुलदीप जैन ने ट्रेड फेयर आयोजन कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में आधे शतक से अधिक लगे स्टॉल पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे है। महेन्द्र सिंघी ने कहा कि पहले ट्रेड फेयर से मैं इस प्रदर्शनी में आ रहा हूँ और हर वर्ष इसमें कुछ नया देखने को मिलता है। उन्होंने किया की टीम के प्रयासों की सराहना की और अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, गौरव शर्मा, मंत्री कृष्णमूर्ति व टीम को किया के स्वयं के कार्यालय के लिए प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

इस अवसर पर कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश चोपड़ा, संयुक्त सचिव सूरज शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, संयुक्त कोषाध्यक्ष मूलसिंह राजपुरोहित, कार्यकारणी सदस्य माधुराम खदाव, शैंकी जैन, मनीष जैन, भरत जैन,श्रीपाल मेहता, मिश्रीलाल प्रजापत, विक्रम दास, घेवरलाल बोराना सहित एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं देशभर से आए व्यापारी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के अंत में सूरत शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

जोन अध्यक्ष की उपस्थिति में एर्नाकुलम (केरल) चैप्टर का पुनर्गठन किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एर्नाकुलम(केरल)। जोन 17 केरल की बैठक यहां एर्नाकुलम में दिनेश सिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दिनेश सिंह ने अपने स्वागत भाषण में उपस्थित सदस्यों से कहा कि एर्नाकुलम में चैप्टर का गठन चार वर्ष पूर्व हुआ था। उन्होंने संगठन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज की एकजुटता में ही सबका लाभ है इसलिए सभी को मिल कर संगठन को मज़बूत करना चाहिए। उन्होंने कहा, अब चैप्टर के पदाधिकारियों की घोषणा व कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाएगा।क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए कार्यों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन के प्रकल्पों एवं संगठनात्मक निर्णयों की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा किकेरल के शहरों में सबसे ज्यादा विप्र बंधु एर्नाकुलम शहर में रहते हैं इसलिए इस शहर में 100 से अधिक सदस्य 30 जुलाई तक बना कर सूची भेजें। बैठक में सर्वसम्मिति से एर्नाकुलम चेप्टर की कार्यकारिणी का गठन किया गया।अध्यक्ष मुंशीराम शर्मा, उपाध्यक्ष उम्मेदसिंह राजपुरोहित,उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह राजपुरोहित, महामंत्री मनोज कुमार शर्मा, उपमंत्री कन्यालाल शर्मा, उपमंत्री तेजराज शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेश शर्मा एवं कार्यकरणी के सदस्य के रूप में सतीश भारद्वाज, नेमीचंद राजपुरोहित, जितेंद्र ओझा, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोनू शर्मा, मंत्री भारत राजपुरोहित को बनाया गया।बैठक में केरल जोन के अध्यक्ष दिनेश सिंह राजपुरोहित, जोन महामंत्री उतमचंद मिश्रा, राकेश कुमार शर्मा, संजय भोजक का सम्मान रीजनल महामंत्री भगवान व्यास ने किया। नवगठित कार्यकारिणी का सम्मान भगवान व्यास एवं दिनेश सिंह ने किया।बैठक में समाज कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। मनोज कुमार शर्मा ने धन्यवाद दिया।

भ्रूण हत्या करने वाले का होना चाहिए सामाजिक बहिष्कार : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के स्थाकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में ईट्टीगेगुड स्थित नंगावत साधना भवन में विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि अजन्मी, निर्दोष संतान को मौत के घाट उतार कर माता की कोख को कत्ल खाने के रूप में परिवर्तन वाले दरिंदे मानवता के हत्यारे धरती पर कलंक और अभिशाप है।

भ्रूण हत्या मातृत्व हत्या है। गाय माता की हत्या करने वाला पापी है, भ्रूण हत्या करने वाला महा पापी है। लड़के और लड़की में भेदभाव करना हिंसा का मुख्य कारण है। संतश्री ने कहा कि बेटी नहीं रही तो बहू कहां से लाओगे? बेटी है तो कल है, नहीं तो अंधकार है। इसका निर्माण विश्व के संपूर्ण संपत्ति देकर विज्ञान नहीं कर सकता। भ्रूण हत्या करने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए।

तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर की वार्षिक साधारण सभा सोमवार को तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष रेखा पितलिया ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कन्या मंडल प्रभारी गीता गन्ना, युवती मंडल के संयोजिका सोनू दक, मंडल की मंत्री टीना पितलिया ने अपनी अपनी रिपोर्ट पेश की। कोषाध्यक्ष राजल बाबेल ने आय व्यय का ब्यौरा दिया। मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष लता भंसाली ने धन्यवाद दिया। सहमंत्री वनीता बोलिया ने संचालन किया।

समय के बीतने का अर्थ है, जिंदगी का बीत जाना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

हैदराबाद/दक्षिण भारत।। शहर के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति की ओर से फीलखाना में वर्षावास के लिए आए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने युवा कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीरस्वामी ने प्रमाद को मृत्यु की संज्ञा दी है। मृत्यु जीवन का समाप्तिकरण है, जबकि प्रमाद अवसरों का। गहरे आध्यात्मिक अर्थ में प्रमाद एक छोटी-अल्प मृत्यु है। अच्छे अवसरों को गंवाने का मतलब है, जीवन की उज्ज्वल संभावनाओं को समाप्त करना, इसीलिए जीवन के बलिदान पर भौतिक उपलब्धियों का कोई अर्थ नहीं है। मृत्यु संसार की समस्त भौतिक उपलब्धियों पर शाश्वत प्रश्नचिह्न है। आचार्यश्री ने कहा कि समय अमूल्य निधि है। यह निरंतर बहती अटूट धारा है। आज तक इसे कोई रोक नहीं सका। जीवन और संसार की बड़ी से बड़ी संपदा भी इसकी बराबरी नहीं कर सकती। समय के बीतने का अर्थ है, अवसर का बीत जाना। यही जिंदगी का नियामक तत्व है। यह है तो जीवन है। यह नहीं है तो समझो मृत्यु है।

समय सबसे प्रबल शक्ति है, सामर्थ्य है। जो समय एक बार अतीत की ओर चला जाता है, वह फिर कभी लौटकर नहीं आता। जो समय का सदुपयोग करता है, वह इस खेल में जीत जाता है। विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जीवन में प्रतिपल समय का सदुपयोग करने का प्रयत्न करना चाहिए। इधर-उधर की सांसारिक निरर्थक गतिविधियों में व्यतीत होते समय का सदैव दुःख होना चाहिए। सतत् सावधानी और सजगता पूर्वक जीवनयापन करना ही जिंदगी और वक्त की सफलता है। गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने चातुर्मास की विविध योजनाओं और उनकी रूपरेखाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

'गौ भक्ति महोत्सव' के पोस्टर एवं बैनर का किया विमोचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गणेश जैन गौशाला द्वारा 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या के अवसर पर पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में 'गौ भक्ति महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन में राजस्थान के प्रख्यात भजन गायक ओम मुण्डेल भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंगलवार को आयोजन के प्रचार-प्रसार हेतु गौशाला के ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं गौ-भक्तों ने महोत्सव के पोस्टर और बैनर का विमोचन किया। विमोचन के अवसर पर जसवंत मांडोत, वीरप्रताप बाबू शेट्टी, सुरेश मेहता, प्रकाश गुलेछा, महेंद्र कोठारी, दीपक मांडोत, प्रवीण दक सहित अनेक गौ-भक्त उपस्थित थे। फाउंडर ट्रस्टी जसवंत मांडोत एवं अन्य ट्रस्टियों ने सभी गौभक्तों से आयोजन में शामिल होने की अपील की।

ईशान भंसाली और आरुषि बने विजेता

शिवमोग्गा/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के ईशान भंसाली और आरुषि सेवेरिन ने यहाँ आयोजित कर्नाटक राज्य अंडर-1% ओपन और गर्ल्स एफआईडईई रेटेड शतरंज चैंपियनशिप में क्रमशः अपने-अपने वर्गों में खिताबी जीत हासिल की। भंसाली ने कुल नौ अंकों में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने समान अंकों पर रहने के बाद बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के आधार पर युवनेश ए को पछाड़कर पहला स्थान प्राप्त किया।

वहीं आरुषि ने कुल आठ अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल करने वाली आराध्या शेट्टी को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ये चारों खिलाड़ी आगामी नेशनल अंडर-17 ओपन और गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जीतो शी-लीग बॉक्स क्रिकेट' के लिए 85 खिलाड़ियों की हुई नीलामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ लेडीज़ विंग द्वारा आयोजित 'शी-लीग बॉक्स क्रिकेट 2026' के अंतर्गत खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन नूतन कार्यालय गांधीनगर में हुआ। आगामी 25 जुलाई को बेसकैंप रश एरीना में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए 8 टीमों में कुल 85 खिलाड़ियों का चयन किया गया तथा खिलाड़ियों की नीलामी प्रारंभ हुई। लेडीज़ विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने संचालन करते हुए प्रायोजकों, टीम ओनर्स, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के बारे में बताया। इस मौक पर बिंदु रायसोनी, सह-संयोजिका ट्विंकल मुथा ने विभिन्न प्रायोजकों के बारे में जानकारी दी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों में प्रेसिडेंट्स ग्रूम जायंट्स (लक्ष्मी बाफना), पितलिया पैंथर्स(मंजू पितलिया), ओसवाल चैलेंजर्स (सीमा खीवेंसरा), शी स्ट्राइक (कविता लालवानी), स्ले स्क्वाड (अलका लोढ़ा), रॉयल मुथाज (संगीता मुथा), थाना स्पार्टन्स (वर्षा नेमीचंद दलाल) तथा परी सुपर स्ट्राइकर्स टीम (मधु सेठिया) शामिल हैं। कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक तनुजा मेहता ने ऑक्शन एवं प्रतियोगिता के नियमों की विस्तृत जानकारी दी। ऑक्सन प्रकिय का संचालन पूर्व सहमंत्री पिंकी मेहता ने किया।

काल का भरोसा नहीं, अच्छे कर्म आज ही करें : डॉ समकितमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में विराजित डॉ समकित मुनिजी ने मंगलवार को हनुमंतनगर स्थानक में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि काल का कोई भरोसा नहीं है। जन्म के साथ मृत्यु निश्चित है। जिस जीवन का प्रारंभ हुआ है उसका समापन तो होगा ही, अतः अपने जीवन में धर्म आराधना, सेवा, परोपकार के कार्य करके इस अनमोल मानव जीवन को सार्थक, सफल बनाने का साधक को सतत् प्रयास करते रहना चाहिए। यह शरीर,धन, सम्पत्ति,भोग के साधन सभी

भौतिक पदार्थ नश्वर और क्षणभंगुर है। संसार की सब चीजें यहीं रह जाती है। जीवन के अंत में व्यक्ति के साथ जाते हैं तो उसके किए सत्कर्म पुण्य और पाप ही जीव के साथ में जाते हैं। मुनिश्री ने कहा कि यदि इस भव में भी धर्म, सत्संग, संत समागम, भक्ति आराधना नहीं करेंगे तो आगे भव में इन पवित्र साधनों की प्राप्ति बहुत दुर्लभ होगी। मुनिश्री ने हनुमंत नगर संघ की सेवा, समर्पण धर्म भावना की भी सराहना की। जम्बू कुमार दुगड़, कल्याण सिंह बुरड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन हनुमंतनगर संघ के मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

शिष्टाचार मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा गांधीनगर के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को राज्य के पूर्व मंत्री व गांधीनगर के विधायक दिनेश गुंडूराव से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें 26 जुलाई को सुबह तेरापंथ भवन में मुनिश्री विनितकुमारजी, आकाशकुमारजी व पावनप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित होने वाले आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष सम्पन्नता समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया। गुंडूराव ने कार्यक्रम में उपस्थित रहने की स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर सभा के उपाध्यक्ष विनय बैद, मंत्री सुभाष पोखरणा, सहमंत्री सुरेश मांडोत, कोषाध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, महावीर ओस्तवाल, कार्यक्रम संयोजक विनोद छाजेड़, किरणकुमार व राजेन्द्रसिंह कुम्पावत उपस्थित थे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते
Tele MANAS 14416

" मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। "

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- ज़्यादातर समय उदास या घबराहट महसूस होना
- पढ़ाई, नौकरी या पैसों की चिंता होना
- नींद से जुड़ी समस्याएँ होना
- खुद को नुकसान पहुँचाने या आत्महत्या के विचार आना
- परिवार या रिश्तों में समस्याएँ होना
- शराब या अन्य नशे की समस्या होना
- मोबाइल का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल करना
- मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई अन्य समस्या होना

टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।

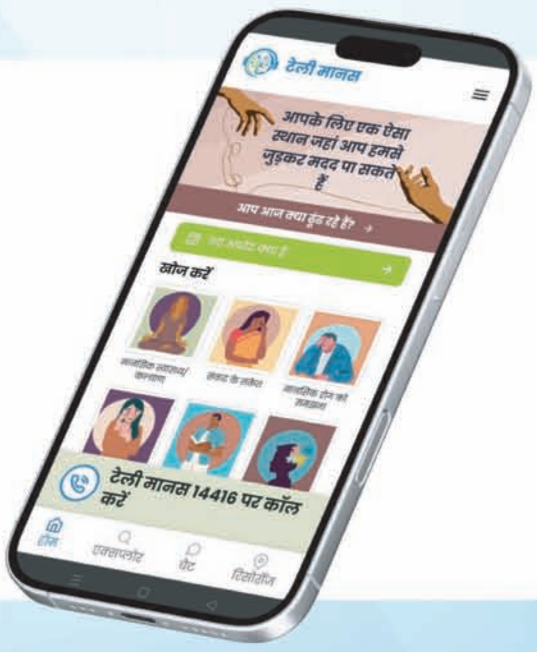

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए 'अस्मी' से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

CBC 17193/13/0001/2627

टेली मानस को कॉल करें

24/7

14416

टोल-फ्री नंबर

यहाँ स्कैन करें

टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

संवेदनशील मामलों की हो त्वरित जांच : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा गत ढाई वर्षों में उठाए गए कदमों के कारण अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अत्याचार के प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में ऐसे प्रकरणों में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विरुद्ध अपराध करने वालों पर कठोरता से कार्रवाई की जाए और समाज में समरसता का वातावरण बनाने में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार के दर्ज प्रकरणों में 15.88 प्रतिशत तथा वर्ष 2025 के पहले 6 माह की तुलना में वर्ष 2026 में 15.49 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में से 35.16 प्रतिशत का निस्तारण 60 दिन में किया जा रहा था, जो 2025 में बढ़कर लगभग 47 प्रतिशत और जुलाई, 2026 तक 67.88 प्रतिशत हो गया है। वहीं, प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय 128 दिन से घटकर 53 दिन रह गया है। एफआर लगे प्रकरणों में अब 10 प्रतिशत के स्थान पर 20 प्रतिशत का रैंडम सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो एससी-एसटी वर्ग पर अत्याचार के मामलों में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के 60 दिवस की निर्धारित अवधि में निस्तारण में भी पहले की तुलना में काफी तेजी आई है। लगभग 68 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण 60 दिन के भीतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 45 पुलिस जिलों में एससी-एसटी सेल स्थापित किए जा चुके हैं एवं शेष 6 पुलिस जिलों में भी एससी-एसटी सेल शीघ्र स्थापित होंगे। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विरुद्ध होने वाले अपराधों में दोष सिद्धि की दर में और अधिक सुधार के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामाजिक समरसता और मेलजोल बढ़ाने के लिए जिला और उपखंड स्तरीय निगरानी एवं सतर्कता समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाएं और वर्ष में दो बार पंचायत स्तर पर भी इन बैठकों का आयोजन किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि दर्ज प्रकरणों की सतत निगरानी की जाए तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही, संवेदनशील मामलों की जांच पूरी गंभीरता और त्वरित गति से हो। एफआईआर दर्ज होने से लेकर न्यायालय में अंतिम निस्तारण तक पीड़ितों को अधिनियम के तहत देय आर्थिक सहायता भी समय पर उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, पीड़ितों को सहायता, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा कानून की सख्त एवं समयबद्ध अनुपालना पर चर्चा हुई। अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही, दर्ज एफआईआर, अनुसंधान की अवधि, चालान प्रस्तुत करने की समयसीमा तथा पीड़ित परिवारों को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान एफआईआर एवं चालान स्तर पर पिछले तीन वर्षों में वितरित आर्थिक सहायता, सहायता पोर्टल की प्रगति तथा लंबित मामलों की समीक्षा भी की गई।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सहायता संबंधी लंबित प्रकरणों की थाना एवं जिला स्तर पर नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। इस दौरान संस्थागत शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत हेल्पलाइन, हेल्पडेस्क एवं पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों की रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा त्वरित समाधान की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा अभियोजन विभाग के सभी अधिकारी आपसी समन्वय और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों के न्याय, सुरक्षा और अधिकारों का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

सेवानिवृत्त सहायक पुलिस निरीक्षक और उसके रिश्तेदारों ने पीट-पीटकर की एक युवक की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक सेवानिवृत्त सहायक पुलिस निरीक्षक ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कथित रूप से एक युवक की लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उद्योग नगर थानाक्षेत्र के तुहिया गांव में सोमवार को यह घटना हुई जिसके बाद से आरोपी फरार हैं। थाना अधिकारी राजेश कसाना ने बताया कि तुहिया के नकुल सिंह ने भतीजे सुशील कुमार (30) की हत्या कर दिये जाने का मामला दर्ज करवाया है।

प्राथमिकी की अनुसार किसान सुशील के नाम राजमार्ग किनारे करोड़ों रुपए की जमीन थी जिसपर पड़ोसी सहायक पुलिस निरीक्षक गजेंद्र सिंह कब्जा करना चाहता था। थाना अधिकारी ने बताया कि सोमवार अपराह्न करीब चार बजे सुशील घर में सो रहा था, तभी गजेंद्र सिंह और उसके परिवार के सदस्य वहां पहुंचे।

कसाना के अनुसार गजेंद्र सिंह के परिवार के सदस्य सुशील को जबरन अपने घर ले गए तथा वहां उन्होंने सुशील पर जमीन अपने नाम करने का दबाव बनाया। आरोप है कि जब सुशील ने जमीन देने से इनकार कर दिया तो गजेंद्र ने अपने परिवार के साथ मिलकर उस पर लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से हमला किया।

पुलिस के मुताबिक गजेंद्र के परिवार के लोग ही उसे गंभीर हालत में भरतपुर के राज बहादुर मेमोरियल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहां से गजेंद्र और परिवार के अन्य पांच सदस्य फरार हो गए। राजेश ने बताया कि सुशील के सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। थाना अधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

सीजीडी संस्थाएं सितंबर अंत तक 20 हजार नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी करें : अर्पणा अरोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस वितरण संस्थाओं को सितंबर अंत तक 20 हजार नए डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यावसायिक संस्थाओं और कलस्टरों को पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ने पर खास फोकस करने के निर्देश दिए हैं। सीजीडी संस्थाएं ग्राहकोन्मुखी प्रोत्साहन योजनाएं भी चलाएं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही स्वच्छ, सुरक्षित और हरित उर्जा को बढ़ावा दिया जा सकेगा। राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों व नियमित मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि सीजीडी संस्थाओं द्वारा गत दो माह में 21 हजार 240 परिवारों को डीपीएनजी सुविधा से जोड़ा गया हैं वहीं दो माह में ही 240 औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं को प्राकृतिक गैस सेवाएं उपलब्ध कराना शुरु कर दिया है।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा मंगलवार को सचिवालय में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की वर्चुअल बैठक ले रही थी। उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र में जिन इलाकों में पीएनजी आधारभूत संरचना विकसित हो गई है उन क्षेत्रों में घरेलू, औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी कनेक्शन जारी करने के समन्वित व योजनाबद्ध प्रयास करने होंगे। उन्होंने इसके लिए अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने, इलाकों में शिविर लगाने और क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों से समन्वय बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ समन्वय बनाते हुए रिटेलर्स मॉडल विकसित करने पर भी जोर दिया। श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि एक लाख 75 हजार परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा चुका है वहीं 1553 औद्योगिक और व्यावसायिक पीएनजी कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं।

दौसा बस विस्फोट मामला

न्यायालय ने फांसी की सजा रद्द कर नए सिरे से सुनवाई का दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के दौसा जिले में बस में हुए विस्फोट के लगभग तीन दशक पुराने मामले में मंगलवार को एक दोषी को सुनाई गई फांसी की सजा रद्द कर दी और मामले की नए सिरे से सुनवाई के लिए नामित अदालत को निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए एक अन्य दोषी को बरी कर दिया और छह आरोपियों को बरी किए जाने के राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील भी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने वर्ष 2019 में राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें दोषी अब्दुल हमीद की फांसी की सजा बरकरार रखी गई थी। पीठ ने कहा कि मुकदमे के दौरान उसे अपने वकील से प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल सकी थी।

पीठ ने 22 मई, 1996 को आगरा से बीकानेर जा रही एक बस में हुए विस्फोट की घटना के बाद बीते लंबे समय को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित अदालत में नए सिरे से की जाए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सुनवाई को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पेशे से चिकित्सक हमीद को अपनी पसंद का वकील रखने की अनुमति होगी और मामले की सुनवाई ऐसे वरिष्ठ न्यायाधीश करेंगे, जिन्हें सत्र न्यायालय के मुकदमों की सुनवाई का पर्याप्त अनुभव हो। पीठ ने इसके अलावा निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा पाए पप्पू उर्फ सलीम को बरी कर दिया और छह आरोपियों को बरी किए जाने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने अब्दुल हमीद को बस में बम रखने का मुख्य आरोपी मानते हुए उसकी फांसी की सजा बरकरार रखी थी। वहीं, विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने का दोषी मानते हुए पप्पू उर्फ सलीम को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा भी कायम रखी थी। उच्चतम न्यायालय ने दो दिसंबर, 2019 को हमीद की फांसी की सजा के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई, 2019 के अपने फैसले में जम्मू-कश्मीर के पांच निवासियों जावेद खान, लतीफ अहमद, मोहम्मद अली भट्ट, मिर्जा निस्सा हुसैन और अब्दुल गनी तथा आगरा के रईस बेग को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने वर्ष 2014 में बांदीकुई की अदालत द्वारा फारुख अहमद खान को बरी किए जाने के फैसले को भी बरकरार रखा था। राज्य सरकार ने खान को बरी किए जाने के खिलाफ भी अपील की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने उसे भी खारिज कर दिया था।

अब्दुल हमीद पर 26 जनवरी, 1996 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बम रखने के मामले में भी प्रमुख आरोपी होने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के आगरा से बीकानेर जा रही बस में 22 मई, 1996 को हुए विस्फोट में 14 लोगों की मृत्यु हो गई थी।

दो सप्ताह बाद राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, कई जिलों में बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में करीब दो सप्ताह के अंतराल के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्से के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों में सीकर में सर्वाधिक 10 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद झुंझुनूं के नवलगढ़ में 9 सेंटीमीटर, बारां के शाहाबाद में 8 सेंटीमीटर तथा झुंझुनूं, धौलपुर के बाड़ी और बसेड़ी में 7-7 सेंटीमीटर वर्षा हुई।

धौलपुर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और बारां जिलों के कुछ स्थानों पर भी भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे क्षेत्रों के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है, जबकि मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से गुजर रही है। इसके प्रभाव से अगले चार से पांच दिनों तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां सक्रिय रहने की संभावना है।

विभाग के अनुसार, इस दौरान पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। मंगलवार को भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

पूर्वानुमान के अनुसार, 22 से 26 जुलाई के बीच कोटा, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकतर क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी तथा एक-दो स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। इस बीच, सोमवार देर रात शुरू हुई तेज बारिश के कारण सीकर शहर में जलभराव की स्थिति बन गई।

पीडब्ल्यूसी बैठक में लगभग 219 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के संकल्प तथा नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर शहर के सुनियोजित एवं समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को जेडीए मुख्यालय स्थित मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, यातायात व्यवस्था में सुधार, जल निकासी, सड़क निर्माण, हरित विकास, पार्क विकास एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार करते हुए लगभग 219 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में जोन-सी में सवाई माधोपुर रेलवे लाइन से शिप्रा पथ तक करतारपुरा नाले के पुनर्स्थापन एवं निर्माण कार्य के लिए 165.73 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी प्रकार विद्याधर नगर के निकट स्वर्ण जयंती ऑक्सीजन पार्क के विकास के लिए 7.54 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। साथ ही रामनिवास बाग क्षेत्र (गार्डन-1) में रॉयल हैप्पीनेस पार्क के विकास के लिए 13.25 करोड़ रुपये तथा राजस्थान उत्सव पार्क (वेस्ट-टू-वंडर) के विकास के लिए 24.55 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। ये परियोजनाएं शहर में हरित क्षेत्र के विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को आधुनिक एवं आकर्षक सार्वजनिक मनोरंजन स्थल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बैठक में जोन-10 अंतर्गत ग्राम सायपुरा, गुवाड़ी तथा पालेड़ा मोड़ से बालकृष्णपुरा तक सड़क नवीनीकरण कार्यों के लिए 3.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त जोन-7 में अजमेर पुलिया से पुरानी चुंगी (मजार) तक एलिवेटेड रोड के नवीनीकरण के लिए संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 4.20 करोड़ रुपये की प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने तथा निर्माण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में सचिव डॉ. गौरव सैनी, निदेशक अभियांत्रिकी संजीव जैन , निदेशक वित्त सुरेश वर्मा सहित जेडीए के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में दो भाइयों की डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मंगलवार को एक कृत्रिम जलाशय (डिग्गी) में दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह रायसिंहनगर क्षेत्र के 56 एनपी गांव में हुई, जहां दोनों भाई खेत में काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि पाइप ठीक करते समय 20 वर्षीय राजदीप सिंह का पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में गिर गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, छोटे भाई राजदीप के डिग्गी में गिरते ही बड़ा भाई 24 वर्षीय गुरजीत सिंह उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद गया, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए।

देवनानी ने लोगों को साइबर फ्रॉड से जागरूक करने का दिया सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को विधानसभा में भारतीय स्टेट बैंक जयपुर सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक ओंकार नाथ चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। स्पीकर देवनानी ने चौधरी को विधानसभा के लोगो की प्रतिकृति और डायरी भेंट की।

देवनानी ने चौधरी को साइबर क्राइम से बैंक खातेदारों की सुरक्षा के लिए राज्य में जागरूकता शिविर लगाये जाने का सुझाव दिया। स्पीकर देवनानी ने साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम नागरिकों को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने

कहा कि आधुनिक डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। देवनानी को चौधरी ने बैंक की ओर से किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं की जानकारी दी। एसबीआई बैंक अपने ग्राहकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और सुविधा प्रदान कर रहा है। इस मौके पर बैंक के सहायक महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) संजय शर्मा भी मौजूद थे।

'जीरो टाइम लैग' के लक्ष्य के साथ काम करें बैंक : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में साइबर सुरक्षा तंत्र को और सुदृढ़ बनाने तथा आमजन के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मंगलवार को शासन सचिवालय में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की विशेष साइबर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा तथा राजस्थान पुलिस एवं प्रमुख बैंकों के अधिकारियों ने भाग लेकर साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु ठोस एवं परिणाम-मूलक रणनीति तय की।

मुख्य सचिव ने कहा कि बैंकों को 'जीरो टाइम लैग' का लक्ष्य लेकर कार्य करना होगा। हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत मिलते ही बैंकों की प्रतिक्रिया तीव्र होनी चाहिए तथा नागरिक की शिकायत और खाता होल्ड की कार्रवाई के बीच समय-अंतराल नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दस में से मात्र एक मामले में ही बैंकों की त्वरित प्रतिक्रिया से राशि रुक पाना गंभीर विषय है।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बैंक अधिकारी स्वयं 1930 कॉल सेंटर का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं को नजदीक से समझें और पुलिस के साथ हैंड्स-ऑन समन्वय स्थापित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक एवं समयबद्ध प्रयासों से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और प्रदेश डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरेगा।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साइबर सुरक्षा एवं म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम हेतु समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में संचालित संदिग्ध खातों और हॉटस्पॉट बैंक शाखाओं का एक केंद्रीकृत डेटाबेस तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर नियमित समन्वय बैठकों से बैंक अधिकारियों और साइबर पुलिस के बीच बेहतर जवाबदेही और तालमेल सुनिश्चित होगा, जिसका सीधा लाभ आमजन को मिलेगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों एवं अपराधियों के प्रति राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, आर4सी के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन-जागरूकता के लिए राजस्थान पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि आमजन को साइबर अपराधों की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके।

कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार में अधिक युवा चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने संकेत दिया कि कर्नाटक मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार कांग्रेस आलाकमान द्वारा प्रस्तावित नामों की सूची को मंजूरी देने के बाद होगा और इसमें युवा चेहरों को प्राथमिकता दी जा सकती है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा के दौरान कई पहलुओं पर विचार किया जा रहा है, जिसमें नए और युवा चेहरों को मौका देना भी शामिल है। मंत्रिमंडल के जल्द विस्तार की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बी.के. हरिप्रसाद कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के लिए दिल्ली में हैं।

परमेश्वर ने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा, ''वे (मुख्यमंत्री, सिद्दरामय्या और हरिप्रसाद) दिल्ली गए हैं; अगर आलाकमान चर्चा के बाद मंजूरी देता है, तो मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अगले महीने की शुरुआत में होने वाले विधानसभा सत्र से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार होगा, इस पर उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद अगर आलाकमान इजाजत देता है, तो यह प्रक्रिया तुरंत पूरी कर ली जाएगी।

उन्होंने कहा, ''अगर आलाकमान ने मंजूरी दे दी, तो राज्यपाल को सूचित किया जाएगा और उनकी उपलब्धता के आधार पर (नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के लिए) उनसे समय देने का अनुरोध किया जाएगा।'' वरिष्ठ नेताओं की जगह नए चेहरों को मौका देने के संबंध में आलाकमान के विचार करने के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ''उन्हें पता चला है कि कुछ ''मानदंडों'' पर चर्चा हो रही है और उनमें युवाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देना भी शामिल है। उन्होंने कहा, वे इस पर विचार कर सकते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या यह विस्तार 2028 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इस पर उन्होंने कहा, ''जिन मानदंडों पर विचार किया जा रहा है, मुझे उन मानदंडों के बारे में सीधे तौर पर जानकारी नहीं है।''

बधाई

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उनके आवास पर जन्म दिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

प्रयागराज और यशवंतपुर के बीच स्पेशल वीकली एक्सप्रेस ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन और यशवंतपुर जंक्शन के बीच दोनों दिशाओं में आठ-आठ फेरों के लिए स्पेशल वीकली एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 04149 प्रयागराज जंक्शन-यशवंतपुर जंक्शन वीकली एक्सप्रेस स्पेशल, 5 अगस्त से 23 सितम्बर तक हर बुधवार को शाम 18:00 बजे प्रयागराज जंक्शन से रवाना होगी और शुक्रवार को रात 21:00 बजे यशवंतपुर जंक्शन पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन नंबर 04150 यशवंतपुर जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन वीकली एक्सप्रेस स्पेशल, 8 अगस्त से 26 सितम्बर तक हर शनिवार को सुबह 07:00 बजे यशवंतपुर जंक्शन से रवाना होगी और सोमवार को सुबह 06:30 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। रास्ते में, ये स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जंक्शन, चित्रकूट धाम कर्वी, बांदा जंक्शन, महोबा जंक्शन, खजुराहो, दरियागंज, महाराजा छत्रसाल स्टेशन छतरपुर, टीकमगढ़, ललितपुर जंक्शन, बीना जंक्शन, रानी कमलापति, इटारसी जंक्शन, नागपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागज़नगर, बेल्लमपल्ली, मंचिरियल, काजीपेट जंक्शन, सिकंदराबाद जंक्शन, लिंगमपल्ली, विकाराबाद जंक्शन, टांडूर, यादगीर, कृष्णा, रायचूर, गुंतकल जंक्शन, अनंतपुर, धर्मावरम जंक्शन, हिंदूपुर और यलहंका जंक्शन पर रुकेंगी। इन स्पेशल ट्रेनों में 23 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 1 एसी टू-टियर कोच, 2 -एसी थ्री-टियर कोच, 11 स्लीपर क्लास कोच, 7 जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 सीटिंग-कम-लगेज रैक/दिव्यांग-अनुकूल कम्पार्टमेंट कोच शामिल होंगे।

एर्नाकुलम के लिए स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनें

दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आने वाले ओणम त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण रेलवे ने एर्नाकुलम और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलूरु के बीच दोनों दिशाओं में

पांच-पांच फेरों के लिए स्पेशल साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 06147 एर्नाकुलम-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, 9 अगस्त से 6 सितम्बर तक हर रविवार को रात 23:10 बजे एर्नाकुलम से रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन नंबर 06148 एसएमवीटी बेंगलूरु-एर्नाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, 10 अगस्त से 7 सितम्बर तक हर सोमवार को शाम 16:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 05:45 बजे एर्नाकुलम पहुंचेगी। रास्ते में, ये स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में अलुवा, त्रिशूर, पलक्कड़ जंक्शन, पोदानूर जंक्शन, तिरुप्पुर, इरोड जंक्शन, सेलम जंक्शन, कुप्पम, बंगारपेट जंक्शन और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेंगी।

स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी करने में कुछ भी गलत नहीं : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी करने संबंधी राज्य सरकार के फैसले का बचाव करते हुए मंगलवार को कहा कि यह पहल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में वास्तविक निवासियों की मदद के लिए की गई है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि ये प्रमाणपत्र उन लोगों के लिए लाभकारी होंगे, जो एसआईआर के दौरान मांगे जा रहे पुराने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रमाणपत्र से जुड़ी प्रक्रिया पूरी तरह कानून के अनुसार की जा रही है।

उन्होंने कहा, ''सरकार ने आवेदकों के कर्नाटक में जन्म के आधार पर स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी करने का फैसला किया है। (एसआईआर की प्रक्रिया में) ज्यादातर लोगों से 2002 की मतदाता सूची का विवरण मांगा गया है। करीब 50 से 60 प्रतिशत लोगों के पास ऐसे रिकॉर्ड हो सकते हैं। हालांकि, कुछ लोगों के पास ये रिकॉर्ड नहीं भी हो सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए स्थायी निवास प्रमाणपत्र मददगार साबित होगा।''

परमेश्वर ने कहा कि तहसीलदार पहले भी जाति प्रमाणपत्र जारी करते रहे हैं और सरकार की इस पहल की आलोचना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''हमें इस प्रक्रिया को औपचारिक रूप देना होगा। यदि आवेदक यह प्रमाण देते हैं कि वे 10 वर्षों से कर्नाटक में रह रहे हैं, तो उन्हें प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। क्या हम अपनी बेटियों की शादी बांग्लादेशियों से कर सकते हैं? नहीं। हम न तो केंद्र सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं और न ही किसी कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। हम पूरी तरह कानून के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं।''

राज्य में सूखे की स्थिति पर उन्होंने कहा, ''फैसला किसानों और आम लोगों के हित में होना चाहिए।

यह उन लोगों की भी सहायता करने वाला होना चाहिए, जिन्हें रोजगार न मिल पाने के कारण काम की तलाश में पलायन करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपायुक्तों को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे तालुकों में सूखे जैसी स्थिति का आकलन करें, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूखे के प्रबंधन को लेकर भाजपा की आलोचना को खारिज करते हुए परमेश्वर ने कहा कि हर जिले को पेयजल व्यवस्था के लिए 5 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उपायुक्तों के व्यक्तिगत जमा खातों में 329 करोड़ रुपये हैं और सरकार ने प्रत्येक तालुक के लिए 1 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा भी की है।

पश्चिम बंगाल की आदिवासी महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। पश्चिम बंगाल की एक आदिवासी महिला का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय महिला का कथित तौर पर मैसूरु जिले के टी. नरसीपुरा कस्बे में निजी बस स्टैंड के पास तीनों आरोपियों ने अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे मूगुरु गांव के पास एक सराय में ले जाया गया, जहां उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया और नकदी तथा दो मोबाइल फोन लूट लिए गए।

टी. नरसीपुरा पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, बाद में आरोपियों ने उसे उसके घर के पास छोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान टी. नरसीपुरा निवासी किरण, किशोर और रयान के रूप में हुई है। टी. नरसीपुरा पुलिस द्वारा 19 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि कथित अपराध 18 और 19 जुलाई की दरमियानी रात को हुआ। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राथमिकी के अनुसार, एक कार चालक ने महिला को कागज दिखाया और निजी बस स्टैंड के पास एक पते के बारे में पूछा। पता कन्नड़ भाषा में लिखा था, इसलिए महिला ने उसे पढ़ पाने में असमर्थता जताई। शिकायत के अनुसार, इसके बाद पीछे बैठे दो लोगों ने कार का दरवाजा खोला और जबरन महिला को अंदर खींच लिया। पुलिस ने बताया कि महिला एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए मैसूरु शहर गई थी और एक प्राइवेट बस से टी. नरसीपुरा लौट रही थी।

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर उसे गुंजा नरसिंहस्वामी मंदिर मार्ग से मूगुरु गांव की ओर ले गए और धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया या शोर मचाया तो वे उसे जान से मार देंगे। प्राथमिकी में कहा गया है कि तीनों आरोपी महिला को मूगुरु गांव के पास स्थित एक सराय के कमरे में ले गए, जहां उन्होंने उसके साथ मारपीट की और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर उसे जान से मारने की धमकी देकर उससे रुपये मांगे और उसके पास मौजूद 5,000 रुपये नकद तथा दो मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए।

बेंगलूरु में बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रीन लाइन मेट्रो सेवाएं थोड़ी देर प्रभावित रहीं

बेंगलूरु। बेंगलूरु में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण मंगलवार सुबह ग्रीन लाइन पर मेट्रो सेवाएं थोड़ी देर के लिए प्रभावित हुईं। इस दौरान सिल्क इंस्टीट्यूट और यशवंतपुर स्टेशनों के बीच छोटे मार्ग पर ट्रेनों का संचालन किया गया, जिसके बाद सेवाएं बहाल कर दी गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो संचालन में आए व्यवधान के बाद यशवंतपुर और मडावरा के बीच मेट्रो सेवाएं थोड़ी देर के लिए निलंबित कर दी गई थीं। उन्होंने बताया कि नम्मा मेट्रो की ग्रीन लाइन उत्तर-पश्चिम में मडावरा से दक्षिण में सिल्क इंस्टीट्यूट तक संचालित होती है।

बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने एक बयान में कहा, ''बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण आज सुबह आठ बजे से ग्रीन लाइन मेट्रो सेवाओं का संचालन सिल्क इंस्टीट्यूट और यशवंतपुर स्टेशनों के बीच छोटे मार्ग पर किया जा रहा था।'' बीएमआरसीएल ने बताया कि तकनीकी टीमों ने सेवाएं सामान्य करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया। अंततः बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई और सुबह आठ बजकर 45 मिनट से पूरी ग्रीन लाइन पर मेट्रो की सामान्य सेवाएं फिर से शुरू हो गईं।

'आर्ट ऑफ लिविंग' के भूमि अतिक्रमण की जांच के लिए एसआईटी बनाई

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बेंगलूरु दक्षिण तालुक के कग्गलिपुरा गांव और उसके आस-पास सरकारी जमीन पर श्री श्री रविशंकर की संस्था 'आर्ट ऑफ लिविंग', उससे संबंधित संगठनों और अन्य पक्षों के कथित कब्जे की व्यापक जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। समिति को तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। राजस्व विभाग ने कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम, 1964 और कर्नाटक भूमि कब्जा रोक अधिनियम, 2011 के तहत 17 जुलाई को यह आदेश जारी किया था, जिसे मंगलवार को राजस्व मंत्री के कार्यालय ने साझा किया। क्षेत्रीय आयुक्त अम्मन आदित्य बिस्वास की अध्यक्षता वाली एसआईटी में वरिष्ठ राजस्व अधिकारी, भूमि अभिलेख अधिकारी, मुकदमेबाजी प्रबंधन सलाहकार के रूप में काम कर रहे एक सेवानिवृत्त जिला और सत्र न्यायाधीश तथा अन्य अधिकारी शामिल हैं। येलहंका के तहसीलदार कलीमुल्ला को सदस्य-सचिव बनाया गया है। आदेश के अनुसार, एसआईटी कग्गलिपुरा और आस-पास के गांवों के सर्वे नंबर 46 से जुड़े आरोपों की जांच करेगी। इसमें वेद विज्ञान महा विद्यापीठ संस्थान, सुमेरु ग्लोबल सपोर्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सुमेरु रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, रिट याचिका में अन्य प्रतिवादियों और सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ दावों की जांच शामिल है। इसमें कहा गया है कि अक्टूबर 2025 में भूमि अभिलेखों के सहायक निदेशक द्वारा किए गए सर्वेक्षण से प्रथम दृष्टया पता चला है कि 'द आर्ट ऑफ़ लिविंग' के ट्रस्टियों ने कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर, सरकारी पट्टा समझौतों और भूमि अनुदान प्राप्तकर्ताओं के साथ व्यवस्थाओं के माध्यम से 290 एकड़ से अधिक सरकारी गोमाला (चरागाह) भूमि पर व्यवस्थित रूप से, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कब्ज़ा किया था।''

विदाई

बेंगलूरु में मंगलवार को विधान सौधा की पहली मंज़िल पर बने कमिटी रूम में, विधान परिषद के स्पीकर बसवराज होरट्टी की मौजूदगी में उन विधायकों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिनकी परिषदन में नामित सदस्य के तौर पर सदस्यता की अवधि खत्म हो गई थी। विदाई समारोह में, स्पीकर बसवराज होरट्टी ने उन विधायकों को उन्हें यादगार स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर निर्वतमान नामित सदस्य अदागुर एच. विश्वनाथ, भारती शेट्टी, शांताराम बुदना सिद्दी, डॉ. तलवार सबन्ना और रमेश बाबू आदि का सम्मान किया गया।

आईएसआईएस में शामिल करने के लिए बरगलाने के मामले में ईडी ने बेंगलूरु में छापेमारी की

बेंगलूरु/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन 'आईएसआईएस' में युवाओं को शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाने से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने बेंगलूरु और आसपास के करीब आठ स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। यह जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की उस प्राथमिकी पर आधारित है, जो इकरा वेलफेयर ट्रस्ट, गाइडेंस फॉर मैनकाइंड और कुछ व्यक्तियों से जुड़े आईएसआईएस भर्ती मामले में दर्ज की गई थी। एनआईए ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी का आरोप है कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़े इन सभी आरोपियों ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर आईएसआईएस में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की आपराधिक साजिश रची थी। एनआईए के अनुसार, ''आरोपियों ने 'इकरा कैंप' नामक मुस्लिम पर्सनैलिटी डेवलपमेंट'' कार्यशाला और उससे शुरू किए गए साप्ताहिक ''कुरान सर्किल'' के माध्यम से युवाओं की पहचान की, उन्हें कट्टरपंथी बनाया और आईएसआईएस में भर्ती किया। आरोपियों ने इसके लिए धन जुटाया और उसका इस्तेमाल किया, साथ ही भर्ती किए गए युवाओं को तुर्किये के रास्ते सीरिया भेजने तथा आईएसआईएस में शामिल होकर सीरिया सरकार के खिलाफ लड़ने की व्यवस्था भी की।''

शिवकुमार व सिद्दरामय्या कैबिनेट विस्तार पर बातचीत के लिए दिल्ली में

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। उम्मीद है कि वे कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिलकर राज्य कैबिनेट के विस्तार के लिए आखिरी दौर की बातचीत करेंगे। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद भी एक विशेष उड़ान से इन दोनों नेताओं के साथ आए हैं। ये तीनों नेता अभी यहां कर्नाटक भवन में ठहरे हैं। पिछले हफ्ते, तीनों नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ शुरुआती बातचीत की थी, लेकिन उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था क्योंकि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को किसी ज़रूरी काम से बेंगलूरु जाना पड़ा था। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार की बैठक में खरगे राज्य इकाई द्वारा पेश की गई संभावित उम्मीदवारों की सूची का जायजा लेंगे। कर्नाटक के लिए कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने पिछली बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा था, बातचीत अभी शुरू हुई है। यह शुरुआती बातचीत है, और बहुत जल्द कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट में विधानसभाध्यक्ष के अलावा 20 पद खाली हैं और कोशिश उन सभी पदों को भरने की होगी। सूत्रों ने बताया कि बातचीत में विधानसभाध्यक्ष का खाली पद भरने पर भी चर्चा होगी, क्योंकि पूर्व विधानसभाध्यक्ष यूटी खादर ने स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाल लिया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 297-H-M-Dsl-PU
Painting दिनांक: 13.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली, लोको शेड पर तीन (03) वर्ष / 36 महिने की अवधि के लिए आरडीएसओ विनिर्देश सं. एम व सी / पीसीएन / 100/2018 (जो भी नवीनतम हो) से अनुसार डीज़ल लोकोमोटिव को इपॉक्सी कम पॉलीयुरेथेन से और इलेक्ट्रिक लोकोमोटीव (डब्ल्यूएपी-7 और डब्ल्यूएजी-9) को पॉलीयुरेथेन से पेंटिंग करना। (**तकनीकी योग्यताः** अनिवार्य होगा।)	रु. 74,24,890.70

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.08.2026, 17:04 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरएस/ हुबली
PUB/315/AAD/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

तिहरा हत्याकांड मामला : आरोपी ने चैटबॉट की मदद से रची थी हत्या की साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाल में हुए तिहरे हत्याकांड की जांच में यह खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी ने पिछले छह महीनों से हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए एक एआई (कृत्रिम मेधा) चैटबॉट की मदद ली थी। इस जानकारी के सामने आने के बाद बेंगलूरु पुलिस ने संबंधित एआई कंपनी को पत्र लिखकर आरोपी के चैट इतिहास का ब्योरा मांगा है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सनसनीखेज मामला इस साल 22 जून को के.आर. पुरम थाना क्षेत्र के सीगेहल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में सामने आया था, जहां सोमसुंदर (52), उनकी पत्नी मुथुलक्ष्मी (48) और उनकी छोटी बेटी सुप्रिया (19) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि घटना के कुछ दिनों बाद मृतक दंपति की बड़ी बेटी श्वेता (24) और उसके सहजीवन साथी केनेथ (25) को पुडुचेरी से अलग-अलग गिरफ्तार किया गया, जहां वे वारदात के बाद भागकर छिपे हुए थे। जांच के अनुसार, इस जघन्य हत्याकांड की वजह वित्तीय विवाद और पारिवारिक तनाव सामने आया है। श्वेता अपनी मां के अत्यधिक नियंत्रण वाले व्यवहार से नाराज थी। पुलिस के मुताबिक, उसने केनेथ के 'क्लाउड किचन' कारोबार के लिए अपनी मां से 50 लाख रुपये उधार लिए थे। यह पैसा खर्च हो चुका था और उसे रकम चुकाने का डर सता रहा था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हालांकि श्वेता और केनेथ ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया, लेकिन हत्या की पूरी योजना और उसे अंजाम तक पहुंचाने का काम मुख्य रूप से केनेथ ने ही किया।

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में मंगलवार को नेशनल गठबंधन ऑफ वूमेन ऑर्गनाइजेशन के सदस्यों ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी ईश्वर खंड्रे ने की निंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है, जो छात्रों पर हुए क्रूर लाठीचार्ज के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध करना सबका अधिकार है, लेकिन केंद्र की भाजपा की एनडीए सरकार दमनकारी रवैया अपना रही है और शांति से विरोध कर रहे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को गिरफ्तार करने के लिए बल प्रयोग करना बिल्कुल गलत है, उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर किया।

कल दिल्ली में एनडीए सरकार की जनविरोधी नीति के खिलाफ युवा भड़क उठे। नीट परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रही कायर केंद्र सरकार ने विरोध कर रहे छात्रों पर अपनी मर्दानगी दिखाई है। खंड्रे ने कहा कि केंद्र सरकार का आंसू गैस के गोले दागने और लाठीचार्ज करने का काम निंदनीय है। राहुल गांधी, जो आज स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज की निंदा करते हुए शांति से प्रोटेस्ट कर रहे थे, ने केंद्र सरकार के प्रियंका गांधी को ज़बरदस्ती अरेस्ट करने के काम की कड़ी निंदा की है। भाजपा पाप का घड़ा भर रही थी। लोग अब चुप नहीं रहेंगे। इस हिटलर शाही सोच को करारा सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने यह भी मांग की है कि धर्मेंद्र तुरंत इस्तीफा दें या राष्ट्रपति उन्हें कैबिनेट से बर्खास्त करें।

ಕಾರ್ಮಿಕರ ರಾಜ್ಯ ವಿಮಾ ನಿಗಮ
(ಕಾರ್ಮಿಕ ಮತ್ತು ಉದ್ಯೋಗ ಸಚಿವಾಲಯ, ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
सत्यमेव जयते
ಪ್ರಾದೇಶಿಕ ಕಛೇರಿ, ಕರ್ನಾಟಕ,
ನಂ.10, ಬಿನ್ನಿಫೀಲ್ಡ್ಸ್, ಬಿನ್ನಿಪೇಟೆ, ಬೆಂಗಳೂರು-560 023
क्षेत्रीयकार्यालय, कर्नाटक,नं 10 .बिन्नीफील्ड्स, बिन्नीपेट,बेंगलोर- 560 023.
REGIONAL OFFICE, KARNATAKA,NO. 10 BINNYFIELDS, BINNYPET, BENGALURU-560 023,
Phone – 080-26742485, E-Mail: rd-karnataka@esic.nic.in
Website: www.esic.gov.in

53.Kar.T.11.12.01.2018.Est(Cat cell) दिनांक : 21.07.2026

अधिवक्ताओं के नामिकायन हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (क.रा.बी.नि), जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सांविधिक निकाय है, की ओर से पात्र अधिवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें विभिन्न अदालतों जैसे कि माननीय उच्च न्यायालय, केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, औद्योगिक न्यायालय, ई.आई. अदालतें, जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय, राज्य तथा जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग / फोरम, एन.सी.एल.टी तथा **पूरे कर्नाटक में** अन्य न्यायाधिक या अर्ध-न्यायिक फोरमों में क.रा.बी.निगम का प्रतिनिधित्व करने हेतु पैनल में शामिल किया जा सके, यह अवधि तीन साल के लिए या अधिसूचित अवधि के लिए होगी।

1. भारतीय विधिज्ञ परिषद्/ राज्य विधिज्ञ परिषद के साथ पंजीकृत, योग्य अधिवक्ता निर्धारित प्रारुप में आवेदन कर सकते हैं।
2. मौजूदा पैनल अधिवक्ता, यदि कोई हो तो, उन्हें भी नया आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
3. पात्रता के विवरण, आवश्यक दस्तावेज़, शुल्क अनुसूची एवं वचनबंध की शर्तें आदि (परिशिष्ट-I), नई पैनल नियुक्ति हेतु निर्धारित आवेदन फॉर्म (परिशिष्ट-II), मौजूदा पैनल वकीलों के लिए निर्धारित आवेदन फॉर्म (परिशिष्ट-III), दस्तावेज़ों की सूची (परिशिष्ट-IV) और प्रति, वचनबंध (परिशिष्ट-V) वेबसाइट (**www.esic.gov.in > Offices > RO/SRO > Select Karnataka > Regional Office(R.O) Announcement > Instructions/ Circulars/ Orders**) से दिनांक 22.07.2026 से डाउनलोड किया जा सकता है।
4. सभी आवश्यक दस्तावेजों समेत पूर्णत : भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक 11.08.2026 को सायं 5.00 बजे तक मुहरबंद लिफाफे में क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पंचदीप भवन, नंबर 10, बिन्नीफील्ड्स, टैंक बंड रोड, ईटीए मॉल के समीप, बिन्नीपेट, बेंगलूरु-560023 को प्रेषित करनी होंगी। लिफाफे पर "**अधिवक्ताओं के पैनल में नामांकन के लिए आवेदन**" लिखा होना चाहिए।
5. नामांकन प्रपत्र भेजने मात्र से विधिक कार्य करने के दावे का अधिकार नहीं दिया जाएगा। क.रा.बी.निगम किसी भी आवेदन को अस्वीकार करने या कारण बताए बिना प्रक्रिया को रद्द / स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

अधोहस्ताक्षरित
उप निदेशक (विधि)
कृते क्षेत्रीय निदेशक
क्षे का, क.रा.बी.निगम, बेंगलूरु

सुविचार

हर नया दिन एक नया अवसर है। बीती बातों से सीखें, लेकिन उनमें उलझें नहीं। आगे बढ़ते रहें, भविष्य आपका इंतजार कर रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसा छात्र आंदोलन?

नीट पेपरलीक के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी में शुरू किए गए कथित छात्र आंदोलन की परतें खुलने लगी हैं। यह चंद मौकापरस्त लोगों का जमघट है, जिसके पीछे गहरी साजिश का शक होता है। ये लोग देश के युवाओं को भड़का कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम से ही स्पष्ट है कि इसका छात्रहित से कोई लेना-देना नहीं है। ये लोग उपद्रव मचाना चाहते हैं। ये अराजकता फैलाकर पूरी व्यवस्था को तहस-नहस करना चाहते हैं। सोनम वांगचुक लद्दाख में पर्यावरण बचाते-बचाते किन चक्करों में पड़ गए? उन्हें भूख हड़ताल के झमेले में फंसाकर बाकी लोग आराम से पिज्रा-बर्गर की दावत उड़ा रहे थे। यह कैसा आंदोलन है? इन हुड़दंगियों का छात्र आंदोलन से उतना ही संबंध है, जितना तीन कृषि कानूनों के खिलाफ कथित किसान आंदोलन का किसानों से संबंध था। उसमें किसानों के वेश में आए कई उपद्रवियों ने भारी बवाल मचाया था। वे शुरू से ही यह मंशा लेकर आए थे। वे दिल्ली को बंधक बनाना चाहते थे। उन्हें केंद्र सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा मिल नहीं रहा था। चूंकि किसानों से लोगों को हमदर्दी होती है, इसलिए मौका देखकर किसान का वेश धारण किया और अपना असली रंग दिखाया था। अब दिल्ली में छात्र आंदोलन के नाम पर यही हो रहा है। बस वेश का फर्क है। इसमें ऐसे कई लोग शामिल हैं, जिन्हें नीट का मतलब भी मालूम नहीं है। पहले, उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था। उसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगने लगे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्तीफा मांग रहे हैं। इनकी मांगों की सूची हर दिन बढ़ती जा रही है।

ये संसद भवन में घुसकर अव्यवस्था और अभद्रता का तांडव करना चाहते हैं। कोई 'तिलक, तराजू और तलवार ...' जैसे नारे लगाकर नकली क्रांतिवीर बन रहा है, तो कोई भगवान श्रीराम और मां सीता का मजाक उड़ाकर पाखंडी बुद्धिजीवी बन रहा है। एक महिला ने गर्व से सांप्रदायिक नारा दोहराकर खुद ही इस मज्मे की पोल खोल दी। दरअसल यह तमाशबीनों का जमावड़ा है, जिसमें नीट के मुद्दे के अलावा वे सारे मुद्दे उठाए जा रहे हैं, जिन्हें देश की जनता पहले ही नकार चुकी है। एक और सवाल यह है कि अहिंसक आंदोलन के दावे के बावजूद इनके पास इतने पत्थर कहां से आए? आंदोलन में शामिल कई लोग खुलकर कह रहे हैं कि हम भारत के हालात नेपाल जैसे बना देंगे। ये दिल्ली को ढाका और काठमांडू बनाना चाहते हैं। ये इसके लिए पूरी आज़ादी चाहते हैं। इसका क्या मतलब है? साफ क्यों नहीं कहते कि छात्र आंदोलन एक बहाना है, असल मकसद तो संसद भवन को कब्जाना है? ये हाथ में महात्मा गांधी और भगत सिंह के चित्र लेकर चल रहे हैं। महापुरुषों के चित्र के साथ उनके चरित्र से भी कुछ सीखें। उन्होंने अपने देश में हाहाकार मचाने, हिंसा के लिए जनता को भड़काने और भगवान के अवतारों का मजाक उड़ाने के लिए नहीं कहा था। उपद्रवियों की हरकतों से साफ पता चलता है कि इनमें से ज्यादातर लोग देशविरोधी मानसिकता के साथ इकट्ठे हुए हैं। ये कई वर्षों से तोड़फोड़ करने का बहाना ढूंढ़ रहे थे, जो अब मिला है, लेकिन ये अपनी पुरानी आदतों से पीछा नहीं छुड़ा सके, इसलिए पहले ही दिन बेनकाब हो गए। कांग्रेस समेत विपक्ष के कई नेता पुलिस द्वारा इन्हें रोके जाने और कार्रवाई करने को लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या और घोर क्रूरता बता रहे हैं। याद करें, जून 2011 में जब स्वामी रामदेव ने काला धन और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए अनशन किया था, तब पुलिस ने किसके आदेश पर लाठियां बरसाई थीं? तब केंद्र में किसकी सरकार थी, गृह मंत्री कौन था? इस बार पुलिस ने बहुत संयम से काम लिया है। उसने सोनम वांगचुक को सम्मानपूर्वक अस्पताल पहुंचाया। और वह भी न्यायालय के निर्देशों के अनुसार। अगर न पहुंचाती तो उनका जीवन गंभीर संकट में पड़ता। 'कॉकरोच जनता पार्टी' वाले बर्गरवीर उस मौके को भुनाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते।

ट्वीटर टॉक

हम कल युवा छात्रों के साथ हुई क्रूरता के लिए मोदी से जवाब मांगने के लिए उनके घर तक मार्च कर रहे हैं। सरकार कोई जवाबदेही नहीं लेना चाहती या संसद में इस पर बहस नहीं चाहती।ङ्गङ्गभारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए झच और क्च को इस्तीफा दे देना चाहिए।

–राहुल गांधी

आज, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एक्ट के तहत हुई राज्य लेवल विजिलेंस और मॉनिटरिंग कमेटी की मीटिंग में एक्ट को अच्छे से लागू करने, पेंडिंग केस की स्थिति और पीड़ितों को समय पर न्याय, राहत और पुनर्वास देने में हुई प्रोग्रेस का रिव्यू किया गया।

–भजनलाल शर्मा

धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। आज खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई चझ छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे हैं।कल छात्रों के प्रदर्शन के दौरान उन पर हुए देशव्यापी लाठीचार्ज की पूरे देश में कड़ी निंदा हो रही है।

–सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

कला और सम्मान

एक गुलाबजान, नौटंकी की ख्यातनामा नृत्यांगना थी। एक बार कार्तिक के दिनों लगने वाले देवी शरफी के मेले में उनकी नौटंकी का तमाशा हो रहा था। संयोग से उसी मेले में एक संगीत-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। उस सभा में स्वर्गीय तबलानवाज पद्मविभूषण उस्ताद अहमद जान थिरकवा भी तबलावादन के लिए पधारे थे। अहमद साहिब ने देखा कि आम जनता संगीत-सम्मेलन के बजाय नौटंकी के मनोरंजक दृश्य की ओर ज्यादा रुचि ले रही है। उनके मन में जिज्ञासा जगी और वह यह देखने जमघट में चले गये कि आखिर नौटंकी में ऐसी कौन-सी विशेषता है? नौटंकी में गुलाबजान की नृत्य-कला चरमोत्कर्ष पर थी। थिरकवा साहब उनकी प्रस्तुति पर मुग्ध हो गये। उन्होंने उसी समय जेब से सौ रुपये का नोट निकालकर सस्नेह गुलाबजान को भेंट किया। जब गुलाबजान को पता चला कि यह भेंट देश के प्रख्यात तबलावादक की ओर से मिली है, तो वे आनंद से गदगद हो गयीं। उन्होंने तुरंत अपने पल्ले से सौ रुपये का एक नोट निकाला और थिरकवा साहब के सौ रुपयों में अपनी ओर से सौ रुपये मिलाकर दो सौ रुपये उन्हें श्रद्धापूर्वक भेंट कर दिये।

सामयिक

तिरंगे की शान, भारत की पहचान

श्वेता गोयल

मोबाइल : 9034304041

आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा'' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया।

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मर्यादा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरुष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में 'यूनियन जैक' का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके।

1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा'' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

मंथन

क्यों फट जाते हैं बादल?

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

मानसून अपने साथ जहां खुशियों की सौगात लेकर आते है वहीं मानसून के खतरे भी कम नहीं है जिससे हर साल सैंकड़ों लोग अकाल काल कलवित हो जाते है। अतिवृष्टि, बाढ़, आकाशीय बिजली और बादल फटने की घटना आम बात हो गई है। मॉनसून आने के साथ ही आए दिन बादल फटने और बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। बारिश के मौसम में अक्सर आसमानी बिजली गिरने के मामले सामने आते हैं। बादलों की तेज गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। कभी-कभी यह बहुत खतरनाक हो जाती है और जमीन पर गिरने पर जानलेवा हो जाती है। यह जहां पर गिरती है, वहा तबाही मचा देती है। बारिश के दौरान अक्सर बादलों के बीच गड़गड़ाहट के साथ बिजली चमकती है। इसके गिरने से कभी इंसान घायल हो जाता है, तो कभी इसकी चपेट में आने से मौत हो जाती है। देशभर में मौसम के करवट बदलने के बीच पहाड़ी राज्यों में बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं देखने को मिली है। बादल फटना एक ऐसी आपदा है जिसमें कुछ ही मिनटों में सब कुछ तबाह हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं हिमालय रेंज में लगातार बढ़ रही हैं। यह जून और जुलाई के महीनों में होती है जब दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से चलती हैं और मैदानी इलाकों को पार करते हुए भारत के उत्तरी पहाड़ी इलाकों की ओर बढ़ती हैं। भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं 1 हजार से 2500 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दर्ज की गई हैं। इनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भीषण वर्षा और बादल फटने से भारी तबाही हुई है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हैं। जम्मू कश्मीर में इस महीने अब तक कम से कम 15 बार बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। विज्ञान की भाषा में, बादल फटना एक अत्यंत तीव्र वर्षा को संदर्भित करता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जब किसी क्षेत्र में प्रति घंटे 100 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा होती है, तो उसे बादल फटना माना जाता है। यह अक्सर एक छोटे से भौगोलिक क्षेत्र में सीमित समय के लिए होता है। बादल फटने की घटना मुख्य तौर पर कपासी वर्षा बादल के कारण होती है। हवा जब गर्म होती है, तो वह ऊपर की ओर उठती है और अपने साथ नमी भी ले जाती है। ऊपर पहुंचने पर यह ठंडी हो जाती है, जिससे नमी पानी की बूंदों में बदल जाती है। इन बूंदों के मिश्रण से वातावरण में कपासी वर्षा बादल बनते हैं, जो कि एक प्रकार का बड़ा और वर्टिकल बादल होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है। बादल का निचला हिस्सा, जब गुरुत्वाकर्षण की वजह से पानी का भार सह पाता है, तो एक ही जगह पर अधिक पानी बरसता है, जो कि बारिश की बड़ी बूंदे होती हैं। इससे कम समय में बहुत अधिक बारिश हो जाती है, जिसे बादल फटना कहा जाता है।

इस आलेख में हम बिजली गिरने और बादल फटने की जानकारी आम पाठकों तक पहुँचाना चाहते है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता । मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं। एक स्टडी की मानें तो दुनिया में 6 हज़ार लोग हर साल बिजली गिरने से मारे जाते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की मानें तो सिर्फ भारत में हर साल 2500 लोग बिजली गिरने से मारे जाते हैं। एक गैर सरकारी अध्ययन के मुताबिक देश में हर साल 2,500 लोग इन घटनाओं के कारण मौत के शिकार हो जाते हैं।

नजरिया

ब्लड रिलेशन में शादी : क्या कहता है विज्ञान?

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

भारत के विभिन्न राज्यों में विवाह को लेकर समाज में लंबे समय से अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कहीं रक्त संबंधियों के मध्य विवाह को परंपरा का हिस्सा माना जाता है, तो कहीं इसे उचित नहीं माना जाता है। वहीं प्रेम विवाह इन विषयों पर सोचने का अवसर ही नहीं देता है।आधुनिक आनुवंशिकी इस विषय को सामाजिक या धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से देखती है, और बचने की सलाह देती है। भारतीय संस्कृति भी समान गौत्र में शादी को ठीक नहीं मानती। विज्ञान के अनुसार, जब निकट रक्त संबंधी-जैसे प्रथम चचेरे, ममेरे या फुफेरे भाई-बहन,विवाह करते हैं, तो उनमें कुछ समान जीन होने की संभावना अधिक रहती है। यदि दोनों में किसी दुर्लभ आनुवंशिक रोग से संबंधित दोषपूर्ण अप्रभावी जीन मौजूद हो, तो उनके बच्चों में उस रोग के प्रकट होने का जोखिम सामान्य जनसंख्या की तुलना में बढ़ जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य आनुवंशिकी विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य जनसंख्या में किसी बच्चे में गंभीर जन्मजात विकार या आनुवंशिक रोग का जोखिम लगभग 2-3 प्रतिशत होता है, जबकि प्रथम चचेरे भाई-बहनों के विवाह में यह बढ़कर लगभग 4-6 प्रतिशत तक हो सकता है,अर्थात जोखिम बढ़ता अवश्य है, लेकिन यह धारणा गलत है कि ऐसे सभी विवाहों से अस्वस्थ संतान ही जन्म लेती है। यद्यपि ऐसे विवाहों में थैलेसीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी तथा कुछ दुर्लभ चयापचय और तंत्रिका संबंधी आनुवंशिक रोगों की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। यदि किसी समुदाय या परिवार में लगातार कई पीढ़ियों तक निकट संबंधियों में विवाह होते रहें, तो समान दोषपूर्ण जीनों के संचय के कारण यह जोखिम और बढ़ सकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का जोर किसी परंपरा का विरोध करने पर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक जागरूकता पर है। विशेषज्ञ विवाह-पूर्व आनुवंशिक परामर्श , पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास का मूल्यांकन, आवश्यक होने पर गर्भावस्था के दौरान आनुवंशिक जांच की सलाह देते हैं। विशेष रूप से जिन परिवारों में पहले से कोई आनुवंशिक रोग मौजूद हो, उनके लिए यह और भी महत्वपूर्ण है।

विवाह सामाजिक और व्यक्तिगत निर्णय है, किंतु स्वस्थ भविष्य के लिए वैज्ञानिक जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। इसलिए इस विषय पर भ्रांतियों या भय के बजाय प्रमाण-आधारित जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय परामर्श को प्राथमिकता देना ही समाज और आने वाली पीढ़ियों के हित में होगा। मेरे अनुसार इस विषय पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यूसीसी में किये गये प्रावधान स्वस्थ भावी पीढ़ी की दृष्टि से उचित है एवं सम्मान देने योग्य है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान सेवा :

बेंगलूरु के मेरा कान्हा चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने मंगलवार को कोरमंगला चौथे ब्लॉक में सैंकड़ों जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। ज्ञातव्य है कि ट्रस्ट गत 38 दिनों से रोजाना अन्नदान कर रहा है। ट्रस्ट के सीए ज्ञान अग्रवाल, अविनाश अग्रवाल एवं आनंद मित्तल ने इस सेवा कार्य में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा कार्य

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने मंगलवार को कर्नाटक ब्लाइंड वेलफेयर एसोसिएशन नेहरूनगर आश्रम में रह रहे 35 बच्चों को भोजन कराया व जरूरत के अनुसार आवश्यक सामग्री भेंट की। इस मौके पर अध्यक्ष राजेश देरासरिया व अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

कांठा प्रांतीय अधिवेशन 26 जुलाई को, तैयारियां चरम पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांठा समाज के नवगठित कांठा प्रांत जैन संघ का प्रथम अधिवेशन 26 जुलाई को पैलेस ग्राउंड के गायत्री विहार में आयोजित होगा। संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खींवेसरा के अनुसार अधिवेशन मे कांठा समाज के सदस्यों द्वारा सुझाए गए सुझावों से संघ की आगे की कार्यप्रणाली निश्चित होगी। संघ के चेयरमैन शांतिलाल सुराणा ने कहा कि अधिवेशन में बेंगलूरु में निवासित कांठा प्रांत के हर परिवार को आमंत्रित किया गया है। संघ के कार्याध्यक्ष अशोककुमार गुगलिया ने बताया कि अधिवेशन में समाजहित के कार्यों पर चर्चा होगी। संघ के महामंत्री हंसराज मुणोत के अनुसार दो सत्रो में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में समाज के सदस्यों का अधिवेशन तथा दूसरे सत्र में संघ द्वारा मनोनीत महिला एवं युवा विंग की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम होगा।

महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा, अधिवेशन संयोजक उत्तमचंद कोठारी ने बताया कि आयोजन की तैयारियां चरम पर है। महिला शाखा की अध्यक्ष पूजा गुगलिया एवं युवा शाखा के अध्यक्ष मनीष बोहरा ने कार्यक्रमों की जानकारी दी।

ईडी ने 336 करोड़ रुपये के क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने 336 करोड़ रुपये की कथित 'क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग' धोखाधड़ी के मामले में धन शोधन का मामला दर्ज किया है और इस सिलसिले में छापेमारी की है। इस कथित धोखाधड़ी में नीदरलैंड के एक नागरिक के साथ ठगी की गई थी। केंद्रीय एजेंसी के बेंगलूरु कार्यालय ने 18 और 19 जुलाई को क्रिप्टो संपत्ति में ओवर-द-काउंटर' (ओटीसी) कारोबार के सिलसिले में छापेमारी की। इन कारोबार में 'मल्टीवरसेक्स', 'कावा', 'बीम', 'ग्रास', 'एसयूआई', 'वाना' और 'एजीएलडी' जैसे डिजिटल टोकन शामिल थे।

पूजा

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बालाजी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से जलमग्न हुए श्री राघवेश्वर महादेव मंदिर के अंदर बैठे एक पुजारी ।

एसबीआई का अपनी म्यूचुअल फंड इकाई में और हिस्सेदारी कम करने का विचार नहीं : शेट्टी

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि बैंक संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट में अपनी हिस्सेदारी और कम करने पर विचार नहीं कर रहा है। देश की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई एमएफ की सूचीबद्धता कार्यक्रम में शेट्टी ने कहा, ''अभी हम और हिस्सेदारी कम करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि आगे हिस्सेदारी बेचने का फैसला पूंजी बाजार नियामक सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों के आधार पर होगा। एसबीआई ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत संपत्ति प्रबंधन कंपनी में अपनी लगभग छह प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। अब उसके पास 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसकी संयुक्त उद्यम भागीदार वैश्विक संपत्ति प्रबंधक अमुंडी ने अपनी लगभग चार प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है और अब उसके पास 32.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति

ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

लगातार 10 रातों से अमेरिका का ईरान पर हमला जारी, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकर पर हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला किया, जिसके बाद चालक दल ने जहाज को छोड़ दिया। वहीं, इस अहम जलमार्ग पर नियंत्रण को लेकर जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने ईरान को निशाना बनाते हुए एक और हवाई हमला किया। लगातार 10 रातों से जारी अमेरिका के हवाई हमलों के बावजूद ईरान ने जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की है। शांतिकाल के दौरान वैश्विक स्तर पर कारोबार होने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता था।

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ने के बीच ईरान के गृह मंत्री बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचे। पाकिस्तान इस विवाद में अहम मध्यस्थ माना जाता है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि युद्ध खत्म करने के लिए कोई नया समझौता हो सकेगा या नहीं। दोनों देशों के बीच पिछले महीने हुआ अस्थायी समझौता अब टूट चुका है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी लगभग रुक गई है। लड़ाई तेज होने के साथ दोनों पक्षों ने ऐसे नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया है, जिस पर लाखों लोगों का जीवन निर्भर है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों के लिए जारी एक नई चेतावनी में कहा, ''ईरान और ईरान का समर्थन करने वाले समूह विदेश में अमेरिका के अन्य हितों या दुनिया भर में अमेरिका और अमेरिकियों से जुड़ी जगहों को निशाना बना सकते हैं।'' हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। मंगलवार को बेंचमार्क 'ब्रेंट क्रूड' की कीमत 88 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रही और अमेरिका में नियमित गैसोलीन की कीमत औसतन चार डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई, जिससे इस बार के मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी उपभोक्ताओं की जेब पर दबाव बढ़ गया है।

इस बीच, अमेरिकी सेना ने जॉर्डन में हुए हमलों में मारे गए दो सैनिकों की पहचान की है। इस हमले एक अन्य व्यक्ति लापता हो गया था। इसके अलावा, सेना ने शनिवार को इराक में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराने के बाद उसे नियंत्रित तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया के दौरान एक और सैनिक की मौत की पुष्टि की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर चेतावनी दी, जब भी ईरान किसी अमेरिकी सैनिक की हत्या करेगा, तो उसे इस हत्या की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी! ट्रंप की मंगलवार शाम को डोवर वायु सेना अड्डे पर एक समारोह में शामिल होने की योजना थी, जहां कम से कम एक सैनिक का अवशेष पहुंचने वाला था। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने मंगलवार को कहा कि उसने ईरान के सैन्य कमान केंद्रों, समुद्री क्षमता, मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपण स्थल और वायु रक्षा प्रणाली'' को निशाना बनाया।

मुंबई में 'हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन' द्वारा आयोजित एक फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुई अभिनेत्री सोफी चौधरी।

ट्रिपल जंपर सेल्वा प्रभु कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू के लिए तैयार

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय ट्रिपल जंपर सेल्वा प्रभु ग्लासगो में होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) में अपना सीनियर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वर्ल्ड अंडर-20 सिल्वर मेडलिस्ट और एनसीएए चैंपियन सेल्वा ने पुरुषों के ट्रिपल जंप में भारत के सबसे होनहार खिलाड़ियों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। 21 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के सबसे बड़े मंचों में से एक पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी के लिए तैयार है, जहां राष्ट्रीय जर्सी पहनना सम्मान और जिम्मेदारी, दोनों है। सेल्वा ने कहा, अपने पहले सीनियर मल्टी-स्पोर्ट गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत सम्मान की बात है। मैंने कई वर्षों से ऐसे मंच पर भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखा है। मुझे इस मौके पर गर्व है और मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, देश का नाम रोशन करना और दुनिया के बेहतरीन एथलीट्स के खिलाफ मुकाबला करके कीमती अनुभव हासिल करना है। अमेरिका में बेहद प्रतिस्पर्धी एनसीएए सर्किट में पिछले कुछ साल बिताने के बाद, सेल्वा का मानना ङ्कङ्कहै कि इस अनुभव ने बतौर एथलीट उनके विकास में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, एनसीएए में मुकाबला करने से मुझे हर पहलू में आगे बढ़ने में मदद मिली है। वहां मुकाबले का स्तर बहुत ऊंचा है, इसलिए यह मुझे तकनीकी, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है। बेहतरीन कोच के

साथ ट्रेनिंग करने और हर हफ्ते वर्ल्ड-क्लास एथलीट्स के खिलाफ मुकाबला करने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार हुआ हूं।

ग्लासगो से पहले अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए सेल्वा कहते हैं कि ट्रेनिंग के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, मेरा मुख्य फोकस अपनी गति, निरंतरता और तकनीक को बेहतर बनाने पर रहा है। ट्रिपल जंप में असल बात यह है कि आप मुकाबले वाले दिन सब कुछ सही ढंग से करें। मैंने और मेरे कोच ने अप्रोच और अलग-अलग चरणों के दौरान लय बनाए रखने पर कड़ी मेहनत की है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि मैं शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ रहूं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों के ट्रिपल जंप का स्तर लगातार बढ़ने के साथ, सेल्वा बहुत आगे की सोचने के बजाय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुकाबला बहुत कड़ा है, जो मुझे और भी ज़्यादा प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करना है। अगर मैं अपने जंप सही तरीके से कर पाता हूं, तो मुझे पता है कि मैं अच्छा नतीजा ला सकता हूं। अगर मैं अपना सब कुछ झोंककर अपने पर्सनल बेस्ट के आस-पास या उससे बेहतर प्रदर्शन कर पाता हूं, तो मुझे संतुष्टि मिलेगी।

सेल्वा ने कॉमनवेल्थ गेम्स तक के अपने सफर में 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट' (आईआईएस) की भूमिका को भी माना। उन्होंने कहा, आईआईएस मेरे सफर का एक अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने ट्रेनिंग, स्पोर्ट्स साइंस, रिकवरी और एथलीट के तौर पर मेरे सर्वांगीण विकास में मेरी मदद की है। मुझ पर उनके भरोसे की वजह से ही मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे पाया हूं। मैं उनके सहयोग के लिए आभारी हूं और उम्मीद करता हूं कि भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करके उस भरोसे पर खरा उतरूंगा।

भारत के एथलेटिक्स दल के कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों के बीच, सेल्वा की नजर अपने वर्षों के निरंतर प्रदर्शन को सीनियर मल्टी-स्पोर्ट गेम्स में पदार्पण के दौरान शानदार प्रदर्शन में बदलने पर होगी।

टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप का पायलट संस्करण बुडापेस्ट में होगा

नई दिल्ली/भाषा। शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे से मान्यता प्राप्त टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर का आधिकारिक पायलट संस्करण 10 से 21 नवंबर तक हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित किया जाएगा। यहां प्रतियोगिता शतरंज के तीनों प्रारूप क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में आयोजित की जाएगी। इन तीनों प्रारूप में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियन बनेगा।

बुडापेस्ट में होने वाली प्रतियोगिता चैंपियनशिप के प्रारूप के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी, जिसे 2027 में विश्व स्तर पर लागू किया जाना है। फिडे ने यह भी घोषणा की है कि टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर विश्व चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का निर्धारण करने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाइंग प्रक्रिया का हिस्सा होगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्लासिकल प्रारूप में खेला जाता है। टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर में शीर्ष पर रहने वाले दो खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे।

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'गंगाजल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद बॉलीवुड से दूर हुईं ग्रेसी सिंह

नई दिल्ली/एजेन्सी

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लगान' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह 'द प्लैनेट्स' डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल 'अमानत' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'लगान: वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया' में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। 'लगान' न केवल बॉक्स

ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली 'मदर इंडिया' और 'सलाम बॉम्बे' के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गंगाजल' और 'अरमान' जैसी फिल्मों में काम किया। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'गंगाजल' को बड़ी सफलता मिली, लेकिन 'अरमान' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे 'चंचल', 'देशद्रोही' और 'देख भाई देख', लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी।

हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी।

साल 2015 में उन्होंने टीवी शो 'संतोषी मां' से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस धारावाहिक में देवी संतोषी मां के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और नई पीढ़ी के बीच भी उन्हें पहचान मिली।

समय के साथ ग्रेसी सिंह आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज से गहराई से जुड़ गईं। वह अक्सर आध्यात्मिक जीवन, आत्मसंतोष और प्रसिद्धि से परे सच्ची खुशी की बात करती हैं। ग्रेसी सिंह अभी भी अविवाहित हैं और फिल्मों की चकाचौंध से दूर एक शांत, संतुलित और आध्यात्मिक जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि सफलता केवल शोहरत में नहीं, बल्कि अपने मन की शांति और संतुष्टि में भी छिपी होती है।

एक तय रूटीन कलाकारों के लिए जरूरी : महिमा मकवाना

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों

का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'

' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं। यह वेब सीरीज 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट RSK स्थापना : 2000 25 Years रजत महोत्सव

Rajasthan Sangh Karnataka Trust®

Presents

विराट हास्य कवि सम्मेलन

All Proceeds from the program go towards the maintenance of Moksh Vahini | Matrimony | Nithi Vastra Bhandar | Manav Seva

Saturday, 25th July 2026 | Dinner : 6:00 Pm | Feature Event : 7:00 Pm Onwards

PRINCESS SHRINE, Gate No. 9, Palace Ground, Bellary Road, Bangalore

Main Sponsor

शा: विजू बी जैन श्रीमती अनिता वी जैन
कुमारी वृद्धि वी जैन, पादरू- हिरियूर- बैंगलोर
VRUDHIJAIN GROUP,
BANGALORE-GOA-KOLKATA

Food Sponsor

शा: हरीशजी गुमानजी राजपुरोहित
मरुधर में घेवड़ा (ओसिया) निवासी
KRISHNA CATERERS
BANGALORE

Event Presided by
Shri Babulalji Ranka
Jivanprakash, National President
Shri All India Swetamber Sthanakwasi Jain Conference

Chief Guest
Shri Maninderjit Singh Bitta
Nationalist Social Activist
Chairman, All India Anti-Terrorist Front

Lighting Lamp by
Shri Uttamchandji Ratadia
Managing Director
SUMAN ELECTRIC UDYOGS PVT LTD

Guest of Honour

Shri Ashokji Ranka
Vyavachha National President
Shri All India Swetamber Sthanakwasi Jain Conference

Shri Vimalji Kataria
Chairman,
JITO, Bangalore North Chapter

Shri Pramodji Bhandari
PEARL MARBLE INC
Bangalore

Shri Bherumalji Bhandari
Mentor
Rajasthan Sangh Karnataka Trust

Shri Ashokji Gajanan
Mentor
Rajasthan Sangh Karnataka Trust

SPONSORS

RRBC STRONG RELIABLE FUTURE
में राज राजेश्वरी बिल्डकॉन प्रा.लि. (RRBC)
मरुधर में कालन्द्री, हाल बैंगलोर - आदोनी

Guru Punvaanii
Fair Policy | Fair Property
GURU PUNVAANII PROPERTIES PVT LTD, BANGALORE

Mahesh HARDWARE & PIPES PVT.LTD
MAHESH HARDWARE & PIPES PVT.LTD, BANGALORE

MOTI GOLD & DIOMOND
MOTI JEWEL PALACE
BAZAR STREET HALASURU
BANGALORE

Invited Kavis

डॉ.श्री हरिओम पंवार
वीर रस

श्री विनीत चौहान
वीर रस

श्री तेज नारायण शर्मा
हास्य कवि

जॉनी बैरागी राजोड़
हास्य कवि

श्री शम्भू शिखर
हास्य कवि

श्री अनिल अग्रवंशी
हास्य कवि

श्री पूनम वर्मा
हास्य रस

Moksh Vahini One Year Maintenance 2027-28

Sipani Fibres Ltd

MARUTHI MEDICALS

MOVAN BUILD PRO LLP

MAGCORE LAMINATION INDIA PVT LTD

KOTHARI'S RS
PERFECT INNOVATION

Rsk Bumper Lucky Draw

Refrigerator
2nd Prize

40" LED TV
1st Prize

Washing Machine
3rd Prize

& Many More Other Gifts

MULBERRY

mangaldeep

SAMYAKK, BANGALORE

CAUVERY PIPES, BANGALORE

ROOPALI MARKETING
Old Targu Pet, Bangalore
RAJ AGENCIS
RAJ TOWER
Cotanpet Bangalore

UTTAM AGENCY BANGALORE

Gift Sponsor
RAJSONS
RAJSONS PHARMA PVT LTD, BANGALORE

Ticket Sponsor
Peetex
Exclusive Fancy Sarees & LEHANGAS
Bangalore

CO-SPONSORS

K K ALLIANZE BANGALORE

Futura SINKS THAT THINK
Banglore | Mumbai | Delhi Ahemedabad | Pune

DRA GROUP

SAMBHAV VENTURES

SANGHVI CHARITABLE TRUST
TIP TOP FASHION AND FABRIC

SHARP PLY GROUP

GAJANAN MILLS DEPOT

DRESS CODE
EIMR BUSINESS SCHOOL

श्रीमती कृष्णादेवी गोरधनदासजी रतनपुरा बोहरा (हालावाला) बाड़मेर निवासी

AADHYA AGENCIES

संघवी श्रीमती उर्मिलादेवी दिनेशकुमारजी गुलेच्छा

PEA A legacy of TRUST

CHANDAN TRADING CORPORATION

PATEL GOODS CARRIERS PVT LTD

108 Bespoke

शा: मानमलजी दिनेशकुमारजी अशोककुमारजी प्रमोदकुमारजी यशजी एवं समस्त लुनिया परिवार दोड्डबालपुर- बैंगलोर

KAJOL GOLDLINE SAREES

अरिहंत साड़ी सेंटर
जनेश्वर फैशन

M.K.SILK CREATIONS

फतेह ग्रेनाइट्स लिमिटेड

SILVER PALACE

N.N. FINCORP
H.K. INVESTMENTS

PRINCESS GOLF

MADHU JEWELLERS

BOTHRA FOUNDATION

B.B. JEWELLERS

Kushals FASHION JEWELLERY | 92.5 SILVER

OSWAL MINERALS LTD

THE ALUMINIUM PEOPLE

Mahaveer Medi-Sales Pvt. Ltd.

ASHTAPAD PROPERTIES

संघवी विजयराजजी प्रेमलताजी डोशी मरुधर में खजवाणा बैंगलोर निवासी

SVAMITVA

SRI KRISHNA DIAMONDS AND JEWELRY

संघवी श्रीमती ललितादेवी पुखराजजी पालरेचा(शाह) मोकलसर- बैंगलोर

KOTHARI'S मल्टीस्टार ग्रुप

MANYA JEWELLERS
NAVRATHAN INVESTMENTS

micro print & pack
Design, Print and Packaging Solutions

RANKA STEELS

Anil Sanklecha Chairman	Kailash Sankhalecha President	Amit Mehta Secretary	Omprakash Lunawath Vice Presidnet	Arvind Khivesara Vice Presidnet	Bhopal Sonwadiya Treasurer	Mahaveer Mehta Joint Secretary
Kamal Punmiya Moksh Vahini Chairman	Jinesh Mehta Moksh Vahini Co-Chairman	Manoj Bafna Matrimony Chairman	Rajesh Sri Sri Srimal Matrimony Co-Chairman	Bhopal Sonwodiya Niti Vastra Bhandar Chairman	Suresh Lakhani Niti Vastra Bhandar Co-Chairman	Prakash Bhojani Membership Chairman

WORKING COMMITTEE

						Advisor
Rameshchand Dak	Roopchand Kumat	Praveen Porwal	Ramlal Ganna	Santosh Bagrecha	Anand Malani	Ashok Gajanan
Mahaveer Mehta	Dinesh Lodha	Mahendra Ranka	Dinesh Pokharana	Suresh Dhoka	Mahaveer Hundia	Bherumal Bhandari